समसामयिक घटनाओं की जानकारी हेतु मासिक पत्रिका
प्रतियोगिता साहित्य 'करेन्ट अफेयर्स' का अवलोकन करें

प्रतियोगिता साहित्य®

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित

सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा हेतु एक श्रेष्ठतम् मार्गदर्शिका

सामान्य अध्ययन

GENERAL STUDIES

2020

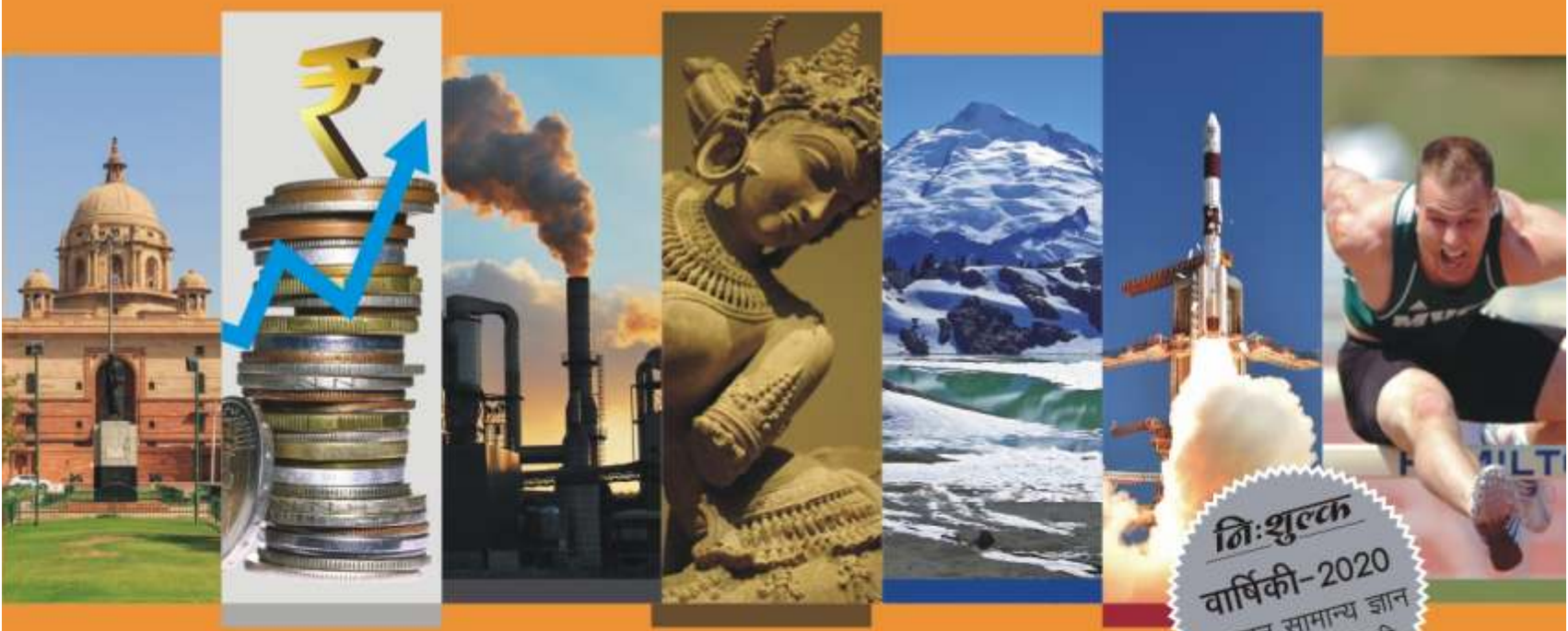

निःशुल्क
वार्षिकी-2020
अद्यतन सामान्य ज्ञान एवं समसामयिकी

प्रश्न-पत्र-I

प्रतियोगिता साहित्य® सीरीज

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित

सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा हेतु

सामान्य अध्ययन
(General Studies)

प्रश्न–पत्र–I

2020

प्रमुख आकर्षण

- गत् परीक्षाओं के प्रश्न–पत्र (व्याख्यात्मक हल सहित)
- पाठ्यक्रमानुसार प्रत्येक विषय की आवश्यकतानुसार उदाहरणों, संकेतों, आंकड़ों सहित प्रामाणिक एवं अद्यतन जानकारी
- प्रत्येक विषय से सम्बन्धित परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुरूप प्रश्नों का उच्चस्तरीय संकलन
- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का विश्लेषणात्मक एवं अद्यतन अध्ययन

लेखन एवं सम्पादन
डॉ. नरोत्तम के. शर्मा

साहित्य भवन®

Sahitya Bhawan®

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के लिए लॉगऑन करें

www.sahityabhawan.co.in

Join us on

Sahitya Bhawan®

कोड : 504

प्रकाशक : **साहित्य भवन®**
सी 17, साइट सी
सिकन्दरा औद्योगिक क्षेत्र
आगरा-282007 (उ.प्र.)
फोन : 9837052020, 8958000151
ईमेल : info@sahityabhawan.co.in
वेबसाइट : www.sahityabhawan.co.in

© प्रकाशकाधीन सुरक्षित

- इस पुस्तक का कोई भी अंश प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित करना अविधिमान्य होगा।
- इस पुस्तक को यथासम्भव त्रुटिहीन एवं अद्यतन रूप से प्रकाशित करने के सभी प्रयास किये गये हैं, फिर भी संयोगवश यदि इसमें कोई कमी अथवा त्रुटि रह गयी हो तो उससे कारित क्षति अथवा संताप के लिए लेखक, प्रकाशक एवं मुद्रक का कोई दायित्व नहीं होगा।
- किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल आगरा न्यायालय ही होगा।

प्रशस्ति

एस. पी. आर्य
आई. ए. एस.
पूर्व प्रधान सलाहकार, योजना आयोग, भारत सरकार
नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य सेवा आयोगों द्वारा आयोजित विभिन्न उच्चस्तरीय प्रारम्भिक प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु 'प्रतियोगिता साहित्य सीरीज : सामान्य अध्ययन' निश्चित रूप से प्रतियोगियों के लिए उपादेय एवं सफलता का मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम होगी, ऐसा मुझे विश्वास है।

उच्चकोटि की अध्ययन सामग्री से परिपूर्ण इस पुस्तक में प्रत्येक विषय का क्रमबद्ध एवं अद्यतन संयोजन तथा विवेचन किया गया है। इस पुस्तक में प्रारम्भिक परीक्षाओं के विस्तृत पाठ्यक्रम को सार रूप में संकलित करके अनेकानेक सारणियों, रेखाचित्रों एवं मानचित्रों के माध्यम से सरल भाषा में जिस प्रकार प्रस्तुत किया गया है, वह प्रशंसनीय है।

इस पुस्तक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पुस्तक का संयोजन एवं प्रस्तुतीकरण परीक्षा योजना एवं विगत वर्षों में परीक्षा के मूल प्रश्न–पत्र के अनुरूप ही किया गया है और सामान्य अध्ययन के लिए सम्मिलित विषयों के अन्त में उनसे सम्बन्धित शब्दावली तथा पर्याप्त वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर भी दिए गए हैं, जो प्रतियोगियों को उनकी तैयारी में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

'प्रतियोगिता साहित्य सीरीज : सामान्य अध्ययन' के मातृभाषा हिन्दी में सारगर्भित एवं सुरुचिपूर्ण प्रस्तुतीकरण के लिए इसके सम्पादक, लेखकगण, प्रकाशक एवं अन्य सहयोगी प्रशंसा के पात्र हैं तथा उनसे यह आशा है कि भविष्य में भी ऐसी पुस्तकों को प्रस्तुत करके प्रतियोगियों का उपयुक्त मार्गदर्शन करते रहेंगे।

(एस. पी. आर्य)
आई. ए. एस.
पूर्व प्रधान सलाहकार, योजना आयोग, भारत सरकार
नई दिल्ली

Sahitya Bhawan®

प्राक्कथन

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष '**सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा**' आयोजित की जाती है। इसी प्रकार राज्य लोक सेवा आयोगों के द्वारा राज्य सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा-2011 की प्रणाली और पाठ्यक्रम का नया रूप 18 अक्टूबर, 2010 को भारत सरकार द्वारा संघ लोक सेवा आयोग की सलाह पर जारी किया गया। इस विज्ञप्ति में समय–समय पर संघ लोक सेवा आयोग एवं भारत सरकार द्वारा लोक सेवाओं की भर्ती की प्रणाली में सुधार सम्बन्धी जानकारी को समाहित करते हुए प्रारम्भिक परीक्षा स्तर पर किए जा रहे बदलावों की चर्चा की गई है।

यहां यह ध्यान देने योग्य बात है कि वर्ष 2011 से केवल 'प्रारम्भिक परीक्षा' के स्तर में ही बदलाव किया गया था। मुख्य परीक्षा (लिखित एवं साक्षात्कार) के स्तर पर नया 'विस्तृत बदलाव वर्ष 2013' से लागू किया गया है। सिविल सेवाओं में भर्ती सम्बन्धी प्रणाली में सुधार एवं नवीनीकरण के पीछे समय–समय पर गठित समितियां एवं आयोगों की सिफारिशें हैं। द्वितीय प्रशासनिक आयोग द्वारा भी सिविल सेवाओं में भर्ती सहित अनेक पहलुओं पर विचार एवं प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। अतः सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2011 तथा मुख्य परीक्षा 2013 से अपने नए रूप में आयोजित की जा रही है।

सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा में वर्ष 2011 से दो प्रश्न–पत्र होते हैं—(i) सामान्य अध्ययन : प्रश्न–पत्र I तथा (ii) सिविल सर्विस एप्टीट्यूट टेस्ट : प्रश्न–पत्र II वर्ष 2015 से किए गए नए बदलाव के अन्तर्गत द्वितीय प्रश्न–पत्र अर्थात् **सी–सैट** में केवल न्यूनतम अर्ह अंक (33 प्रतिशत) प्राप्त करना आवश्यक होता है। यह बदलाव सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2015 तथा उसके बाद आयोजित होने वाली परीक्षाओं में अनवरत् रूप से लागू है।

प्रस्तुत पुस्तक में सम्मिलित विशिष्ट तथ्य

- **भारत का इतिहास**—इतिहास की घटनाओं एवं युद्धों, राजवंशों व राजाओं का क्रमबद्ध संकलन, जन आन्दोलन एवं जनजातीय विद्रोह, शिक्षा एवं प्रेस का विकास, 1857 का स्वतन्त्रता संग्राम, कला एवं संस्कृति का समावेश।
- **भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन**—भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का इतिहास एवं विभिन्न चरण (1885-1947), कांग्रेस अध्यक्षों की सूची, महात्मा गांधी का योगदान एवं स्वतन्त्रता संग्राम का क्रमबद्ध व विस्तृत विवरण।
- **भारत एवं विश्व का भूगोल**—जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख का भौगोलिक विभाजन, भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2017, एक्सप्रेस वे, भारतमाला कार्यक्रम, वन्देभारत एक्सप्रेस : पहली इंजन रहित ट्रेन, भारत की मेट्रो रेल प्रणाली, सेमी हाईस्पीड ट्रेन, भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग, समस्त राज्य व केन्द्र शासित प्रदेशों की जानकारी।
- **भारतीय राजव्यवस्था**—अनुच्छेद 370 के प्रावधान निरस्त, जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019, सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन अधिनियम, 2019, 17वीं लोकसभा चनाव आयोग—2019, 103वां संवैधानिक संशोधन 2019, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, 15वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन—2019 व्यक्ति की निजता का अधिकार, 25वां उच्च न्यायालय—2019, 15वां वित्त आयोग एवं 14वें वित्त आयोग की सिफारिशें, नीति आयोग, लोकपाल व लोकायुक्त अधिनियम तथा भारत का प्रथम लोकपाल, संविधान के अनुच्छेद : एक दृष्टि में।
- **भारतीय अर्थव्यवस्था**—ईज ऑफ डुइंग बिजनेस रिपोर्ट–2019, विश्व प्रसन्नता सूचकांक–2019, वैश्विक लैंगिक समानता सूचकांक–2019, विश्व प्रतिस्पर्धा रैकिंग–2019, वैश्विक शान्ति सूचकांक–2019, यूएनडीपी मानव विकास रिपोर्ट, वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट, केन्द्रीय बजट–2019-20, आर्थिक समीक्षा–2018-19, नीति आयोग की शासी परिषद्, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कुसुम योजना, सौभाग्य योजना, प्रधानमंत्री जन–आयोग्य योजना, प्रधानमन्त्री फसल बीमा योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य–2019-20, हॉरिनेट ऐप (कृषि पंजीकरण हेतु), राष्ट्रीय ई–कॉमर्स नीति–2019-20, बैंकों का विलय–2019, भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट एवं मौद्रिक नीति–2019-20।
- **पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन**—बाघ गणना रिपोर्ट–2018, कॉप–14 सम्मेलन 2019, काटोवाइस सम्मेलन : कॉप–24, भारत की जलवायु कार्य योजना–2030, विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट–2018, सतत् विकास : एजेंडा–2030, विश्व के हॉट स्पॉट्स (संकटग्रस्त जीव–जन्तु) : विस्तृत सूची, भारत में वन्य जीव राष्ट्रीय उद्यान व अभयारण्य, बाघ परियोजना, प्रोजेक्ट हाथी, कस्तूरी मृग परियोजना, ओजोन क्षरण, ग्रीन हाउस प्रभाव, पेरिस जलवायु समझौता, जलवायु परिवर्तन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नमामि गंगे योजना, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, भारत में आपदा प्रबन्धन।
- **सामान्य विज्ञान**—अद्यतन भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम एवं भारतीय सुदूर संवेदी उपग्रह प्रणाली, चन्द्रयान–2, गगनयान : अन्तरिक्ष मानव मिशन, भारतीय परमाणु ऊर्जा संयन्त्र, भारतीय मिसाइल कार्यक्रम : अग्नि–5, धनुष, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, स्कॉर्पिन पनडुब्बी–वेला सहित सभी नियमित विषय।
- **सामान्य ज्ञान**—शब्द–संक्षेप, लेखक एवं पुस्तकें, विश्व एवं भारत सम्बन्धी महत्वपूर्ण तथ्य, विश्व एवं भारत के संगठन एवं संस्थाएं, भारतीय प्रतिरक्षा एवं सुरक्षा, नोबेल पुरस्कार–2019 सहित समस्त पुरस्कार एवं सम्मान, विश्व कप क्रिकेट–2019 सहित खेलकूद सम्बन्धी जानकारी, कला–संस्कृति एवं चर्चित व्यक्तित्व।
- **समसामयिक जानकारी**—समसामयिक घटनाओं के संकलन की वार्षिकी–2020 निःशुल्क।

इस प्रकार स्पष्ट है कि **सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2020** में सफलता के लिए सामान्य अध्ययन : प्रश्न-पत्र-I में अधिकतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। इस परीक्षा के अभ्यर्थियों की व्यावहारिक कठिनाई को ध्यान में रखते हुए हमने '**सामान्य अध्ययन : प्रश्न–पत्र** I (2020)' नामक पुस्तक संकलित की है, जो कि इस विषय का एक 'प्रामाणिक ग्रन्थ' है। प्रस्तुत पुस्तक को हमने पाठ्यक्रमानुसार विश्लेषणात्मक विवेचन की पद्धति द्वारा विषय को अद्यतन घटनाओं के साथ समायोजित करने का प्रयास किया है।

- **'सामान्य अध्ययन—प्रश्न-पत्र I (2020)'** पुस्तक को (विस्तृत पाठ्य सामग्री को) पाठ्यक्रमानुसार निम्नांकित यूनिटों में विभक्त किया गया है :

यूनिट–A : भारत का इतिहास,
यूनिट–B : भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन,
यूनिट–C : भारत एवं विश्व का भूगोल,
यूनिट–D : भारतीय राजव्यवस्था,
यूनिट–E : भारतीय अर्थव्यवस्था,
यूनिट–F : पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन,
यूनिट–G : सामान्य विज्ञान,
यूनिट–H : सामान्य ज्ञान
यूनिट–I : विगत वर्षों के प्रश्न-पत्र (व्याख्यात्मक हल सहित)।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक सिविल सेवा/प्रान्तीय सिविल सेवाओं की प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अपने सम्पूर्णता एवं गुणवत्ता के मापदण्डों पर अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

इस पुस्तक को और अधिक उपयोगी बनाने हेतु सिविल सेवा के अभ्यर्थियों, शिक्षकगणों एवं अन्य सम्मानजनक पाठकों से प्रेषित सुझावों की हम उत्सुकता से प्रतीक्षा करेंगे।

डॉ. नरोत्तम के. शर्मा
सम्पादक

सिविल सेवा परीक्षा, 2020 : एक परिचय

भारत के असाधारण राजपत्र दिनांक 12 फरवरी, 2020 में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे उल्लिखित सेवाओं और पदों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 31 मई, 2020 को सिविल सेवा परीक्षा की प्रारम्भिक परीक्षा ली जाएगी।

अखिल भारतीय सेवाएं

- भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS)
- भारतीय पुलिस सेवा (IPS)

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (ग्रुप-A)

- भारतीय विदेश सेवा (IFS)
- भारतीय डाक एवं तार लेखा और वित्त सेवा
- भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा
- भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और वस्तु एवं सेवाकर)
- भारतीय रक्षा लेखा सेवा
- भारतीय राजस्व सेवा (आयकर)
- भारतीय आयुध कारखाना सेवा
- भारतीय डाक सेवा
- भारतीय सिविल लेखा सेवा
- भारतीय रेलवे यातायात सेवा
- भारतीय रेलवे लेखा सेवा
- भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा
- रेलवे सुरक्षा बल (सहायक सुरक्षा आयुक्त)
- भारतीय रक्षा संपदा सेवा
- भारतीय सूचना सेवा (कनिष्ठ ग्रेड)
- भारतीय व्यापार सेवा
- भारतीय कॉरपोरेट विधि सेवा।

केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रुप-B)

- सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा (अनुभाग अधिकारी ग्रेड)
- दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन व दीव एवं दादरा व नगर हवेली सिविल सेवा
- दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन व दीव एवं दादरा व नगर हवेली पुलिस सेवा
- पॉण्डिचेरी सिविल सेवा
- पॉण्डिचेरी पुलिस सेवा।

परीक्षा की योजना

सिविल सेवा परीक्षा के दो–चरण होंगे :

1. **सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा**—मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यार्थियों के चयन हेतु वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार की परीक्षा।

2. **सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा**—उपर्युक्त विभिन्न सेवाओं और पदों पर चयन हेतु (लिखित एवं साक्षात्कार) परीक्षा।

पात्रता की शर्तें

- **राष्ट्रीयता**—उम्मीदवार को भारत का नागरिक होना चाहिए।
- **आयु सीमा**—उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2020 को पूरे 21 वर्ष की हो जानी चाहिए, किन्तु 32 वर्ष की नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1988 से पहले और 1 अगस्त, 1999 के बाद का नहीं होना चाहिए, किन्तु अधिकतम आयु–सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :
  (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक–से–अधिक 5 वर्ष।
  (ii) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण को पाने के पात्र हों।
- **न्यूनतम शैक्षिक योग्यता**—उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधानमंडल द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा–3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शैक्षणिक संस्था की स्नातक उपाधि अथवा समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।
- **अवसरों की संख्या**—सिविल सेवा परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को जो अन्यथा पात्र हों, अधिकतम 6 अवसर की अनुमति दी जाएगी। परन्तु अवसरों की संख्या से संबद्ध यह प्रतिबंध अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा। साथ ही अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को, जो अन्यथा पात्र हों, 9 अवसरों की अनुमति दी जाएगी। यह रियायत/छूट केवल वैसे अभ्यर्थियों को मिलेगी जो आरक्षण पाने के पात्र हैं।

A. प्रारम्भिक परीक्षा (Preliminary Examination)

प्रारम्भिक परीक्षा में दो अनिवार्य पत्र होंगे। जिसमें प्रत्येक प्रश्न–पत्र 200 अंकों का होगा।

नोट : (i) दोनों ही प्रश्न–पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे।
(ii) ये प्रश्न–पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में तैयार किए जाएंगे।
(iii) प्रत्येक प्रश्न–पत्र दो घंटे की अवधि का होगा।

परीक्षा योजना

इस परीक्षा का स्वरूप केवल प्राक्चयन परीक्षण है। प्रारंभिक परीक्षा के अभ्यर्थी द्वारा जो अंक प्राप्त किए जायेंगे, उन अंकों को अंतिम योग्यता क्रम को निर्धारित करने के लिए नहीं गिना जाएगा। अतः यह केवल प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु अर्हता परीक्षा है।

इस परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किए गए अभ्यर्थियों की संख्या उक्त वर्ष में विभिन्न सेवाओं तथा पदों की रिक्तियों की कुल संख्या का लगभग 12 से 13 गुना होगी। केवल वे ही अभ्यर्थी जो आयोग द्वारा उक्त वर्ष की प्रारम्भिक परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेते हैं, उस वर्ष की मुख्य परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे।

नोट : 1. आयोग, सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा के लिए अर्हक उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा जिसका निर्धारण आयोग द्वारा सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा के सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र–II में 33 प्रतिशत अंक तथा सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा के सामान्य अध्ययन प्रश्न–पत्र–I के कुल अर्हक अंकों पर आधारित होगा।

Sahitya Bhawan®

2. प्रश्न–पत्रों में, ऐसे कुछेक प्रश्नों को छोड़कर जिनमें ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) ऐसे प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त तथा इतना उपयुक्त नहीं उत्तर दिए जाने वाले विभिन्न अंकों के रूप में अंतर्निहित होगी। उम्मीदवार द्वारा दिए गए गलत उत्तरों के लिए दंड (ऋणात्मक अंकन) दिया जाएगा।
   (i) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प हैं। उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए गलत उत्तर के लिए, उस प्रश्न के लिए दिए जाने वाले अंकों का एक तिहाई (0.33) दंड के रूप में काटा जाएगा।
   (ii) यदि उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है तो उसे गलत उत्तर माना जाएगा चाहे दिए गए उत्तरों में से एक ठीक ही क्यों न हो और उस प्रश्न के लिए वही दंड होगा जो ऊपर बताया गया है।
   (iii) यदि प्रश्न को खाली छोड़ दिया गया है अर्थात् उम्मीदवार द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है तो उस प्रश्न के लिए कोई दंड नहीं दिया जायेगा।

सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा का नवीनतम पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन : प्रश्न-पत्र-I

अंक : 200 **अवधि : 2 घंटे**

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं।
- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन।
- भारत एवं विश्व भूगोल–भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल।
- भारतीय राजव्यवस्था और शासन – संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे, आदि।
- आर्थिक और सामाजिक विकास–सतत विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि।
- पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव–विविधता और जलवायु परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है।
- सामान्य विज्ञान।

सामान्य अध्ययन : प्रश्न-पत्र-II

अंक : 200 **अवधि : 2 घंटे**

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर - वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्यनन (संख्याएं और उनके संबंध, विस्तार क्रम आदि दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता आदि – दसवीं कक्षा का स्तर)

टिप्पणी :
1. सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा का पेपर–II, अर्हक पेपर होगा जिसके लिए न्यूनतम अर्हक अंक 33 प्रतिशत निर्धारित किए गए हैं।
2. प्रश्न बहुविकल्पीय, वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
3. मूल्यांकन के प्रयोजन से उम्मीदवार के लिए यह अनिवार्य है कि वह सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा के दोनों पेपरों में सम्मिलित हो। यदि कोई उम्मीदवार सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा के दोनों पेपरों में सम्मिलित नहीं होता है तब उसे अयोग्य ठहराया जाएगा।

B. मुख्य परीक्षा (Main Examination)

लिखित परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्न–पत्र होंगे :

अर्हक प्रश्न-पत्र :

प्रश्न-पत्र-क : संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में से उम्मीदवारों द्वारा चुनी गई कोई एक भारतीय भाषा। 300 अंक

प्रश्न-पत्र-ख : अंग्रेजी 300 अंक

- वरीयता क्रम के लिए जिन प्रश्न-पत्रों को आधार बनाया जाएगा वे निम्न प्रकार हैं :

प्रश्न-पत्र-I 250 अंक
निबन्ध

प्रश्न-पत्र-II 250 अंक
सामान्य अध्ययन–I (भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज)

प्रश्न-पत्र-III 250 अंक
सामान्य अध्ययन–II (शासन व्यवस्था, संविधान, शासन–प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

प्रश्न-पत्र-IV 250 अंक
सामान्य अध्ययन–III (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन)

प्रश्न-पत्र-V 250 अंक
सामान्य अध्ययन–IV (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि)

प्रश्न-पत्र-VI 250 अंक
वैकल्पिक विषय : प्रश्न-पत्र-I

प्रश्न-पत्र-VII 250 अंक
वैकल्पिक विषय : प्रश्न-पत्र-II

उप–योग (लिखित परीक्षा)	1750 अंक
व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार)	275 अंक
कुल योग	2025 अंक

टिप्पणी :
1. भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्न–पत्र (प्रश्नपत्र क एवं प्रश्नपत्र ख) मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष स्तर के होंगे, जिनमें केवल अर्हता प्राप्त करनी होगी। इन प्रश्नपत्रों में प्राप्त अंकों को योग्यता क्रम निर्धारित करने में नहीं गिना जाएगा।
2. सभी उम्मीदवारों के 'निबंध' 'सामान्य अध्ययन' तथा वैकल्पिक विषय के प्रश्न–पत्रों का मूल्यांकन 'भारतीय भाषा' तथा अंग्रेजी के उनके अर्हक प्रश्न–पत्र के साथ ही किया जाएगा। परंतु 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन' तथा वैकल्पिक विषय के प्रश्न–पत्रों पर केवल ऐसे उम्मीदवारों के मामले में विचार किया जाएगा, जो इन अर्हक प्रश्न–पत्रों में न्यूनतम अर्हता मानकों के रूप में भारतीय भाषा में 25% अंक तथा अंग्रेजी में 25% अंक प्राप्त करते हैं।
3. उम्मीदवारों द्वारा केवल प्रश्न–पत्र I-VII में प्राप्त अंकों का परिगणन मेरिट स्थान सूची के लिए किया जाएगा।

Sahitya Bhawan®

सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा का नया पैटर्न

संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा के पाठ्यक्रम और पैटर्न में वर्ष 2011 की परीक्षा से कुछ बदलाव किए हैं। इन परिवर्तनों के आधार पर अब तक 9 बार (वर्ष 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018 एवं 2019) प्रारम्भिक परीक्षाएं आयोजित की जा चुकी हैं। सामान्य अध्ययन प्रश्न–पत्र–I में कुछ परिवर्तनों की जानकारी इस परीक्षा में सम्मिलित हो रहे प्रतिभागियों के लिए जानना लाभप्रद रहेगी।

पाठ्यक्रम में बदलाव

सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा के पाठ्यक्रम में विस्तार करते हुए कुछ नए विषय समावेशित किए गए हैं जिनमें 'पर्यावरणीय पारिस्थितिकीय, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी सामान्य मुद्दे' प्रमुख हैं। पारिस्थितिकी और पर्यावरण में वर्तमान में तीव्रता से परिवर्तन परिलक्षित हो रहे हैं। यह जलवायु परिवर्तन सम्मेलनों : कॉप बैठकों का अद्यतन एवं प्रासंगिक विषय बन गया है। वनस्पति, वन्यजीव और मानव–जीवन के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए इस विषय पर अनेक शोध एवं परिचर्चाएं हो रही हैं। इसी प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी, आर्थिक एवं सामाजिक विकास, लोक नीति और भारतीय शासन व्यवस्था को और अधिक प्रासंगिक बनाया गया है। विगत वर्षों के प्रश्नों के अवलोकन से भी यह दृष्टिगोचर होता है।

समय सीमा में बदलाव

2011 के नए पैटर्न में सिविल सेवा में सम्मिलित हो रहे अभ्यर्थियों के लिए यद्यपि समय सीमा में कोई बदलाव नहीं किया है और यह पूर्ववत् 2 घण्टे निर्धारित है, किन्तु सामान्य अध्ययन : प्रश्न पत्र–I में प्रश्नों की संख्या 150 से घटाकर 100 प्रश्न निर्धारित की गई है। इस प्रकार अब (2020 में) अभ्यर्थियों को 1 प्रश्न को हल करने के लिए लगभग 72 सेकण्ड का समय मिलेगा जबकि 2011 की परीक्षा से पूर्व 48 सेकण्ड का समय मिलता था। अतः मानसिक दबाव से मुक्त रहते हुए अभ्यर्थी परीक्षा दे सकते हैं।

ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) प्रणाली

नए पैटर्न में, सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र–II में 33 प्रतिशत अंक न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित किए गए हैं तथा सामान्य अध्ययन : प्रश्न–पत्र–I के कुल अंक के आधार पर सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए अर्हक उम्मीदवारों की सूची तैयार की जाती है। अब उम्मीदवार द्वारा दिए गए गलत उत्तरों के लिए दण्ड (ऋणात्मक अंकन) दिया जाता है अर्थात् यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर गलत देते हैं तो उसके लिए उस प्रश्न के लिए दिए जाने वाले अंकों का एक तिहाई (0.33) दण्ड के रूप में काटा जाएगा। इस प्रकार 2 अंक के एक प्रश्न के लिए 0.66 अंक काटे जाएंगे।

- यदि उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है तो उसे भी गलत माना जाएगा चाहे दिए गए उत्तरों में से एक उत्तर सही ही क्यों न हो और उस प्रश्न के लिए वही दण्ड होगा जो ऊपर बताया गया है।
- यदि उम्मीदवार ने प्रश्न खाली छोड़ दिया है अर्थात् उसने कोई उत्तर नहीं दिया है तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं दिया जाएगा।

अतः आप सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि प्रश्नों के हल करते समय गति (स्पीड) के साथ–साथ उत्तर की सटीकता भी अनिवार्य है। सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2020 में सम्मिलित हो रहे प्रतिभागियों के लिए बेहतर होगा कि वे गलत उत्तर देने के स्थान पर उस प्रश्न का उत्तर न दें और उसे छोड़कर अगले प्रश्न पर ध्यान दें। यदि किसी प्रश्न के उत्तर की सटीकता के बारे में आपको कोई सन्देह हो, तो भी उसे छोड़ देना ही बेहतर है।

प्रश्नों के विविध स्वरूप

सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा में पूछे जाने वाले बहुविकल्पीय (MCQs) प्रश्न अनेक प्रकार के होते हैं। कुछ प्रश्नों के नमूने आपकी सुविधा के लिए यहां दिए जा रहे हैं :

- **एक गलत उत्तर वाले प्रश्न**—ऐसे प्रश्नों में चार विकल्पों में से केवल एक गलत होता है तथा शेष तीन सही होते हैं। अतः अभ्यर्थी को उस गलत विकल्प का चयन करना होता है।
- **एक सही उत्तर वाले प्रश्न**—ऐसे प्रश्नों में किसी तथ्य से सम्बन्धित दिए गए चार विकल्पों में से केवल एक सही होता है शेष पूर्णतया गलत होते हैं।
- **एक सर्वोत्तम उत्तर वाले प्रश्न**—इन प्रश्नों में सभी–उत्तर या कुछ उत्तर एक सीमा तक सही होते हैं, किन्तु उनमें से केवल एक सबसे अधिक सही या उपयुक्त होता है।
- **बहुल चयन वाली प्रश्न पद्धति**—इस प्रकार के प्रश्नों के साथ चार या पांच विकल्प दिए हुए होते हैं, जिनमें से एक, दो, तीन या अधिक सही होते हैं। अन्त में चार उत्तर भी दिए होते हैं और प्रत्येक उत्तर में एक, दो, तीन या अधिक विकल्प सम्मिलित किए गए होते हैं। अभ्यर्थी को इनमें से सही विकल्पों वाले उत्तर का चयन करना होता है।
- **शृंखलागत प्रश्न पद्धति या प्रश्न समूह पद्धति**—इसमें कोई गद्यांश या सारणी या ग्राफ दिया होता है और उसके आधार पर कुछ प्रश्न या कुछ विकल्प बनाए जाते हैं। अभ्यर्थी को उस गद्यांश, आदि को समझकर ठीक उत्तर देना होता है।
- **सुमेलित करने की पद्धति पर आधारित प्रश्न**—इस प्रकार के प्रश्नों में दो सूची दी होती हैं और प्रत्येक सूची में चार या पांच तथ्य दिए रहते हैं। अभ्यर्थी को प्रथम सूची के प्रत्येक तथ्य को दूसरी सूची के सम्बन्धित तथ्य से सुमेलित (match) करना होता है।
- **सही जोड़े की पहचान वाली प्रश्न पद्धति**—इस प्रकार के प्रश्नों में चार विकल्प दिए होते हैं और प्रत्येक विकल्प के साथ उससे मिलती–जुलती कोई अन्य सूचना या तथ्य दिए होते हैं। अभ्यर्थी

को यह ज्ञात करना होता है कि कौन–सी जोड़ी ठीक नहीं है। कभी–कभी इसके विपरीत चार विकल्पों में से तीन गलत रूप से और केवल एक ही सही रूप से सुमेलित होते हैं। अभ्यर्थी को उस सही विकल्प की खोज करनी होती है।

- **कथन–कारण प्रश्न पद्धति**—इस प्रकार के प्रश्नों में दो वाक्य दिए होते हैं, जिनमें से प्रथम को कथन (Assertion) और दूसरे को 'कारण' (Reason) कहते हैं। अभ्यर्थी को यह निर्णय करना होता है कि कथन और कारण अलग–अलग सही हैं या नहीं और यदि दोनों सही हैं, तो कारण कथन का मान्य स्पष्टीकरण है या नहीं।

विगत कुछ वर्षों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि अब कथन–कारण प्रश्न पद्धति के प्रश्न नहीं पूछे जाते हैं, जबकि बहुल चयन वाली प्रश्न पद्धति के प्रश्न सर्वाधिक पूछे जाते हैं। वर्ष 2019 की परीक्षा में इस प्रकार के 51 प्रश्न पूछे गए हैं। अतः आपसे पुस्तक के विषयों का गहनता से एवं तुलनात्मक अध्ययन की अपेक्षा की जाती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करने की विधि

- जिन प्रश्नों के चारों विकल्प सही लग रहे हों, उनके उत्तर ढूंढ़ने के लिए ऋणात्मक विधि अपनानी चाहिए अर्थात् सबसे पहले उस विकल्प को खोजिए, जो किसी भी दृष्टि से उस प्रश्न का उत्तर नहीं हो सकता। तत्पश्चात् क्रमशः कम गलत विकल्पों को खोजते जाएं। अन्त में जो विकल्प शेष बचे, उसे ही प्रश्न का सही उत्तर समझें।

उदाहरण—1857 के गदर के असफल होने के निम्न कारणों पर विचार कीजिए :

1. संगठन का अभाव
2. अनुशासन का अभाव
3. जनता का समर्थन
4. उद्देश्य की एकता
5. नेतृत्व का विकेन्द्रित होना
6. परम्परागत हथियारों का इस्तेमाल

उपर्युक्त में से कौन–से कारण सही हैं?

(A) 1, 2, 3 और 5 (B) 2, 4, 5 और 6
(C) 1, 2, 5 और 6 (D) 2, 3, 4 और 6

व्याख्या—यह निश्चित है कि 3. जनता का समर्थन तथा 4. उद्देश्य की एकता असफलता के कारण नहीं हो सकते हैं। अतः जिन विकल्पों में कारण 3 व 4 आए हैं, वे तो अवश्य ही असत्य हैं। केवल इसी आधार पर (A), (B) व (D) विकल्प गलत हो जाते हैं और शेष (C) सही है।

- सुमेलित करने वाले प्रश्नों को हल करने की विधि कुछ अलग प्रकार की होती है। यदि अभ्यर्थी प्रश्न के कुछ या सभी तथ्यों का उत्तर जानता है, तो उसके अनुसार सही युग्म ढूंढ सकता है। इसके लिए ज्ञात युग्म को पहले मिला लें और फिर उत्तर के चार विकल्पों में से प्रत्येक का बारी–बारी से परीक्षण करें। ऐसा करने से सम्भव है कि अन्य तथ्यों के भी सही युग्म प्राप्त हो जाएं।

उदाहरण—निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए :

संगठन/आंदोलन		**नायक/नेतृत्वकर्त्ता**
1. अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग	:	महात्मा गाँधी
2. अखिल भारतीय किसान सभा	:	स्वामी सहजानंद सरस्वती
3. आत्मसम्मान आंदोलन	:	ई. वी. रामास्वामी नायकर

उपर्युक्त में से कौन–सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

व्याख्या—यदि अभ्यर्थी ने स्वतन्त्रता आन्दोलन और उस दौरान संगठित विभिन्न संगठनों/आन्दोलनों का गहनता से अध्ययन किया है तथा यह भी ज्ञान प्राप्त किया है कि उक्त संगठन/आन्दोलन ने सामाजिक–राजनैतिक–आर्थिक पुनर्जागरण के किस क्षेत्र में अपना योगदान दिया था तभी वह सही उत्तर का चयन कर सकते हैं। जैसे यहां सही सुमेलित युग्म निम्न प्रकार है :

- अखिल भारतीय अस्पृश्चयता विरोधी लीग (1932 ई.)—महात्मा गांधी
- अखिल भारतीय किसान सभा (1936 ई.)—स्वामी सहजानंद सरस्वती
- आत्मसम्मान आंदोलन (1920 ई.)—ई. वी. रामास्वामी नायकर

उपर्युक्त तीनों युग्म सही सुमेलित हैं। अतः सही उत्तर विकल्प (D) होगा।

Sahitya Bhawan

विगत वर्षों के प्रश्नों का विश्लेषण : 2015-2019

विषय–शीर्षक	2015	2016	2017	2018	2019
(A) भारत का इतिहास					
ı प्राचीन भारत					
सिन्धु घाटी सभ्यता, वैदिक युग एवं धार्मिक आन्दोलन	1	1	1	2	2
प्रारम्भिक राज्य, मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	—	1	—	—	1
गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	1	1	1	—	1
दक्षिण भारत का इतिहास	—	1	1	—	1
ı मध्यकालीन भारत					
दिल्ली सल्तनत एवं भक्ति–सूफी मत	—	1	1	1	2
विजयनगर, बहमनी साम्राज्य एवं प्रान्तीय स्वायत्त राज्य	1	1	1	—	—
मुगल साम्राज्य एवं उत्तर मुगल काल	1	2	—	—	3
ı आधुनिक भारत					
यूरोपियों का भारत में आगमन	—	—	—	1	—
ब्रिटिश प्रशासनिक एवं आर्थिक नीतियां	1	—	3	5	—
औपनिवेशकालीन काल	1	—	—	1	—
गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय एवं अधिनियम	—	—	—	1	1
भारत में सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण	—	2	—	—	—
ı कला एवं संस्कृति					
धर्म, दर्शन, भाषा एवं साहित्य	3	—	—	—	—
संगीत, नृत्य एवं नाटक तथा कला एवं स्थापत्य	1	1	2	5	1
विविध	1	1	2	—	1
(B) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन					
1857 का विद्रोह	1	—	—	—	—
राष्ट्रवाद का उदय एवं कांग्रेस की स्थापना	4	—	1	3	1
स्वतन्त्रता के लिए राष्ट्रीय आन्दोलन	3	4	—	2	2
विविध	—	—	3	3	1
(C) भारत एवं विश्व का भूगोल					
सामान्य भूगोल : ब्रह्माण्ड एवं भू–आकृति	1	—	2	1	2
जलमण्डल एवं वायुमण्डल	2	—	—	1	2
सामाजिक, आर्थिक एवं मानव भूगोल	4	—	—	1	2
विश्व के महाद्वीप	2	—	—	—	1
प्राकृतिक वनस्पति, मृदा, मौसम, जलवायु एवं अपवाह तन्त्र	6	2	5	6	6
भौगोलिक संसाधन, जनसंख्या एवं मानव बस्तियां	1	1	1	—	4
परिवहन एवं संचार	—	1	—	2	—
(D) भारत राजव्यवस्था					
संविधान की विशेषताएं, प्रस्तावना, संघ व राज्यक्षेत्र एवं नागरिकता	1	1	5	2	—
मूल अधिकार, कर्त्तव्य एवं नीति–निदेशक तत्त्व	3	—	6	2	1
संघीय सरकार एवं भारतीय संसद	5	1	3	5	2
राज्य सरकार, राज्य विधानमण्डल एवं स्थानीय शासन	2	2	2	2	2
न्यायपालिका	1	1	1	—	2
भारतीय संघवाद, संविधान संशोधन एवं अनुसूचियां	—	—	2	—	3

Sahitya Bhawan®

विषय–शीर्षक	2015	2016	2017	2018	2019
संवैधानिक एवं गैर–संवैधानिक संस्थाएं	—	—	1	—	1
संघ/राज्य लोक सेवाएं एवं संघ/राज्य लोक सेवा आयोग	—	—	—	—	—
निर्वाचन, राजनीतिक दल, लोक नीति, आदि मुद्दे	—	—	—	4	1
(E) भारतीय अर्थव्यवस्था					
भारतीय अर्थव्यवस्था का परिचय	2	—	—	1	1
नीति आयोग, पंचवर्षीय योजनाएं एवं विकास कार्यक्रम	1	—	—	1	2
निर्धनता एवं बेरोजगारी	1	2	—	—	1
राष्ट्रीय आय, मुद्रास्फीति एवं ब्याज दर	2	—	1	—	1
भारतीय कृषि	3	1	1	2	3
भारत में उद्योग	2	—	2	2	4
मुद्रा, बैंकिंग एवं पूंजी बाजार	3	3	5	4	4
बजट, राजकोषीय नीति एवं आर्थिक समीक्षा	1	3	2	6	1
विदेशी व्यापार, विनिमय एवं विदेशी सहायता	1	1	3	3	3
भारत में आधारभूत संरचना	—	1	1	—	1
अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं	5	6	—	—	1
सामाजिक समावेशन एवं जनांकिकी	—	4	2	2	1
सामाजिक सुरक्षा एवं सतत विकास	1	3	3	4	—
(F) पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन					
पारिस्थितिकी, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन	13	16	14	11	16
(G) सामान्य विज्ञान					
ı **भौतिक विज्ञान**					
भौतिकी से सम्बन्धित प्रश्न	1	—	1	1	2
ı **रसायन विज्ञान**					
रसायन विज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न	1	—	—	2	1
ı **जीव विज्ञान**					
जन्तु विज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न	1	1	2	1	4
वनस्पति विज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न	—	—	—	—	—
कृषि विज्ञान एवं पशुपालन	1	—	—	—	—
ı **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी**					
भारत का सुरक्षा व प्रतिरक्षा एवं परमाणु अनुसन्धान कार्यक्रम	—	2	—	1	1
जैव–प्रौद्योगिकी	2	2	1	2	—
कम्प्यूटर, इण्टरनेट एवं संचार	1	3	1	4	1
भारतीय अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम	1	2	2	2	1
विविध	2	—	2	—	1
(H) सामान्य ज्ञान					
संयुक्त राष्ट्र संघ एवं विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं	3	10	4	2	2
मन्त्रालय, विभाग एवं राष्ट्रीय संस्थाएं व प्राधिकरण	2	—	—	4	1
खेल–कूद	—	—	—	—	—
पुरस्कार एवं सम्मान	2	—	—	—	—
चर्चित व्यक्ति, स्थान आदि	1	—	—	—	—
विविध	5	4	—	—	—
(I) राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिक घटनाएं					
समसामयिक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाएं	3	12	7	6	12

Sahitya Bhawan

विषय–सूची

यूनिट-A : भारत का इतिहास

प्राचीन भारत

भारतीय इतिहास के स्रोत
- पुरातात्विक स्रोत A-3
- साहित्यिक स्रोत A-4
- ब्रह्मणेत्तर साहित्य A-5
- लौकिक साहित्य : धर्मेत्तर साहित्य में A-5
- विदेशी यात्रियों के विवरण A-5

भारत की प्रागैतिहासिक संस्कृतियां

इतिहास का वर्गीकरण
- प्रागैतिहासिक काल A-6
- आद्य इतिहास A-6
- ऐतिहासिक काल A-6

पाषाण काल
- पुरा–पाषाण काल A-6
- मध्य–पाषाण काल A-6
- नव–पाषाण काल A-6
- ताम्र–पाषाण काल A-7
- पुरा–पाषाण काल तथा नव–पाषाण काल : तुलनात्मक अध्ययन A-7

सिन्धु घाटी (हड़प्पा) सभ्यता
- उदभव एवं विस्तार A-8
- सिन्धु सभ्यता का विस्तार A-8
- सिन्धु सभ्यता के महत्वपूर्ण उत्खनन स्थल व उत्खनन कर्ता A-8
- सिन्धु सभ्यता का काल निर्धारण : विभिन्न मत A-9
- सिन्धु सभ्यता के महत्वपूर्ण स्थल A-9
- महत्वपूर्ण स्थल और उनकी तटीय स्थिति A-9
- सिन्धु सभ्यता का सामाजिक जीवन A-9
- सिन्धु सभ्यताकालीन धार्मिक जीवन A-10
- लेखन कला एवं सिन्धु सभ्यता की लिपि A-10
- हड़प्पाकालीन नगर नियोजन A-10
- व्यापार एवं वाणिज्य A-11
- सिन्धु सभ्यता के पतन से सम्बन्धित मत A-11

वैदिक काल
- आर्यों के आदि देश सम्बन्धी विभिन्न मत A-12
- ऋग्वैदिक काल A-12
- वैदिक कालीन शब्दावली A-13
- उत्तर वैदिक काल A-14
- उत्तर–वैदिक कालीन पदाधिकारी A-15
- वेद और उनकी विषय–वस्तु A-15

संगम काल
- संगमकालीन शासन व्यवस्था A-17
- संगम कालीन समाज A-17
- संगमकालीन आर्थिक स्थिति A-17
- धार्मिक स्थिति A-17
- संगमकालीन राज्य एवं शासक A-17
- संगम सम्बन्धी विस्तृत विवरण A-18

धार्मिक आन्दोलन
- बौद्ध धर्म A-18
- बौद्ध महासंगीतियां A-20
- हीनयान और महायान में अन्तर A-20
- जैन धर्म A-21
- जैन तीर्थंकरों सम्बन्धी कुछ तथ्य A-21
- दिगम्बर एवं श्वेताम्बर में अन्तर A-23
- भागवत धर्म अथवा वैष्णव धर्म A-23
- प्रमुख सम्प्रदाय एवं उनके मत A-23
- शैव धर्म A-23
- वामन पुराण के अनुसार शैव मत A-24

भारत के प्रारम्भिक राज्य महाजनपद युग
- सोलह महाजनपद A-24
- गौतम बुद्ध कालीन गणतन्त्र राज्य A-24
- महाजनपदों का संक्षिप्त परिचय A-24

मगध–साम्राज्य का उत्कर्ष
- बृहद्रथ वंश A-25
- हर्यक वंश A-25
- शिशुनाग वंश A-25
- नन्द वंश A-26
- पुराणों के अनुसार मगध के शासक A-26
- बौद्ध साहित्य के अनुसार मगध के शासक A-26

भारत पर विदेशी आक्रमण
- भारत पर ईरानी आक्रमण A-26
- भारत पर यूनानी आक्रमण A-26

मौर्य साम्राज्य
- मौर्य वंश के राजाओं के नाम A-27
- चन्द्रगुप्त मौर्य A-27
- बिन्दुसार A-27
- अशोक A-28
- अशोक के उत्तराधिकारी A-29
- मौर्य प्रशासन A-29
- मौर्यकालीन शीर्षस्थ अधिकारी A-30
- मौर्यकालीन केन्द्रीय प्रशासन के प्रमुख अध्यक्ष A-30
- न्याय व्यवस्था तथा गुप्तचर व्यवस्था A-30
- मौर्यकालीन सामाजिक स्थिति A-31
- मौर्यकालीन आर्थिक स्थिति A-31
- मौर्य काल के व्यापारिक मार्ग A-31

मौर्योत्तर काल
- शुंग वंश A-31
- कण्व वंश A-32
- आन्ध्र–सातवाहन वंश A-32
- भारत में यवन (इण्डो–ग्रीक) राज्य A-32
- भारत में शक राज्य A-32
- भारत में पह्लव या पार्थियाई राज्य A-32
- भारत में कुषाण राज्य A-32
- मौर्योत्तरकालीन प्रशासन A-33
- मौर्योत्तरकालीन आर्थिक स्थिति A-33
- मौर्योत्तरकालीन सामाजिक एवं धार्मिक स्थिति A-34
- मौर्योत्तरकालीन साहित्य एवं कला A-34

Sahitya Bhawan®

गुप्त साम्राज्य
गुप्तवंश के शासक A-34
चन्द्रगुप्त प्रथम A-34
समुद्र गुप्त A-34
सीमावर्ती राज्य A-35
चन्द्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' A-35
कुमार गुप्त प्रथम A-36
स्कन्द गुप्त A-36
गुप्तकालीन प्रशासन A-37
गुप्तकालीन समाजिक जीवन A-37
गुप्तकालीन अर्थव्यवस्था A-38
गुप्तकालीन धार्मिक स्थिति A-38
गुप्तकालीन मन्दिर/स्तूप A-38
गुप्तकालीन कला एवं साहित्य A-38
गुप्तकालीन साहित्यिक कृतियां A-39
गुप्तोत्तर भारत
पुष्यभूति वंश A-39
पुष्यभूति वंश का प्रारम्भिक इतिहास A-39
हर्ष वर्धन A-39
उत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति : राजपूत काल
गुर्जर प्रतिहार वंश A-40
कन्नौज का गहड़वाल वंश A-41
शाकम्भरी का चौहान वंश A-41
जैजाकभुक्ति का चन्देल वंश A-41
मालवा का परमार वंश A-41
गुजरात (अन्हिलवाड़) का चालुक्य वंश A-42
बंगाल का पाल वंश A-42
बंगाल का सेन वंश A-42
त्रिपुरी का कलचुरी वंश A-42
कन्नौज का त्रिकोणात्मक संघर्ष A-42
दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश
राष्ट्रकूट वंश A-43
वाकाटक वंश A-43
बादामी (बातापी) का चालुक्य वंश A-43
कल्याणी का चालुक्य वंश A-43
वेंगी का पूर्वी चालुक्य वंश A-44
पल्लव राजवंश A-44
चोल वंश A-44

मध्यकालीन भारत

भारत पर अरब तथा तुर्क का आक्रमण
भारत पर अरब आक्रमण A-46
भारत पर तुर्क आक्रमण : महमूद गजनवी A-46
भारत पर मुहम्मद गोरी के आक्रमण A-47
दिल्ली सल्तनत
गुलाम वंश A-47
गुलाम वंशीय शासक A-47
खिलजी वंश A-49
खिलजी वंशीय शासक A-49
अलाउद्दीन खिलजी की प्रमुख विजयें A-50
अलाउद्दीन के काल में मंगोल आक्रमण A-51
तुगलक वंश A-51
तुगलक वंशीय शासक A-51
भारत पर तैमूर का आक्रमण A-52
सैयद वंश A-53
सैयद वंशीय शासक A-53
लोदी वंश A-53
लोदी वंशीय शासक A-53
सल्तनतकालीन प्रशासन A-53
सल्तनत काल के प्रमुख विभाग A-54
सल्तनत काल के प्रमुख अधिकारी और उनके कार्य A-54
सल्तनत कालीन सैन्य प्रशासन A-54
सल्तनत कालीन अर्थव्यवस्था A-54
सल्तनत कालीन समाज A-55
सल्तनत कालीन कला, साहित्य एवं स्थापत्य A-55
प्रान्तीय राजवंश
बंगाल A-56
जौनपुर A-56
मालवा A-56
गुजरात A-56
राजपूताना A-56
कश्मीर A-56
बहमनी साम्राज्य A-57
बहमनी साम्राज्य में बिखराव A-57
विजयनगर साम्राज्य A-57
नायंकर और आयंगार व्यवस्था A-58
विजयनगर के प्रमुख पदाधिकारी A-58
भक्ति तथा सूफी आन्दोलन
सूफी आन्दोलन A-58
सूफी आन्दोलन के प्रमुख सिलसिले A-59
भक्ति आन्दोलन A-59
भक्ति आन्दोलन के प्रमुख संत A-60
भक्ति आन्दोलन के अन्तर्गत विकसित सम्प्रदाय A-61
महत्वपूर्ण सूफी सिलसिले A-61
मुगल साम्राज्य
मुगल साम्राज्य के शासक A-61
बाबर A-61
हुमायूं A-62
सूर वंश या सूर साम्राज्य A-62
अकबर A-63
अकबर के शासन काल की प्रमुख घटनाएं A-63
अकबर के दरबार के नवरत्न A-63
अकबर के सैन्य अभियान A-63
जहांगीर A-64
शाहजहां A-64
औरंगजेब A-64
औरंगजेब के समय के प्रमुख विद्रोह A-65
मुगलकालीन शासन व्यवस्था A-65
मुगलकाल के अन्य प्रमुख उच्चाधिकारी A-65
मुगलकाल की सैन्य व्यवस्था या मनसबदारी प्रणाली A-66
मुगलकालीन अर्थव्यवस्था A-66
मुगलकालीन समाज A-67
मुगलकालीन रचनाएं A-67
मुगलकालीन प्रमुख इमारतें A-67
मुगलकालीन चित्रकार एवं चित्र A-68
मराठा साम्राज्य
शिवाजी A-68
शिवाजी के उत्तराधिकारी–मराठा छत्रपति A-69

Sahitya Bhawan®

पेशवाओं का काल : मराठा शक्ति का उत्कर्ष
मराठाओं के द्वारा की गई सन्धियां A-70

आधुनिक भारत

उत्तरकालीन मुगल शासक
बहादुरशाह प्रथम A-71
जहांदरशाह A-71
फर्रुखसियर A-71
मुहम्मद शाह A-71
अहमद शाह A-72
आलमगीर द्वितीय A-72
शाह आलम द्वितीय A-72
अकबर द्वितीय A-72
बहादुरशाह जफर द्वितीय A-72

यूरोपियों का भारत आगमन
पुर्तगाली A-72
डच A-73
अंग्रेज A-73
डेनिश A-74
प्रमुख यूरोपीय कम्पनियां A-74
फ्रांसीसी A-74

प्रान्तीय स्वायत्त राज्य
अवध A-74
हैदराबाद A-75
कर्नाटक A-75
मैसूर राज्य A-75
राजपूत राज्य A-76
पंजाब राज्य A-77
सिख मिसलें A-77
बंगाल A-78
आंग्ल–फ्रांसीसी संघर्ष A-78

भारत में सामाजिक एवं धार्मिक जागृति
ब्रह्म समाज A-79
राजा राममोहन राय A-79
आर्य समाज A-80
स्वामी दयानन्द सरस्वती A-80
रामकृष्ण मिशन A-80
रामकृष्ण परमहंस एवं स्वामी विवेकानन्द A-80
थियोसोफीकल सोसायटी A-80
एनी बेसेन्ट A-80
प्रार्थना समाज A-80
यंग बंगाल आन्दोलन A-80
अलीगढ़ आन्दोलन A-81
देवबन्द आन्दोलन A-81
अहमदिया आन्दोलन A-81
आधुनिक भारत में सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन A-81
आधुनिक भारत में मुस्लिम सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन A-81

जन आन्दोलन तथा जनजातीय विद्रोह
संन्यासी विद्रोह A-82
फकीर विद्रोह A-82
पागलपंथी विद्रोह A-82
वहाबी आन्दोलन A-82
कूका आन्दोलन A-82
रामोसी विद्रोह A-83
गड़कारी विद्रोह A-83
सामन्तवादी विद्रोह A-83
बेलुटंपी विद्रोह A-83
किट्टूर चेन्नम्मा विद्रोह A-83
जनजातीय (आदिवासी) विद्रोह A-83
अंग्रेजी शासन के खिलाफ जनजातीय आन्दोलन A-84
अंग्रेजी शासन के खिलाफ गैर–जनजातीय आन्दोलन A-84

आधुनिक भारत में शिक्षा तथा प्रेस का विकास
भारत में शिक्षा का विकास A-85
भारत में समाचार–पत्रों का विकास A-86
ब्रिटिश काल के प्रमुख समाचार–पत्र एवं पत्रिकाएं A-87
बीसवीं शताब्दी के प्रमुख किसान आन्दोलन/संगठन A-87

1857 का विप्लव
विप्लव के कारण A-88
विप्लव की योजना A-88
विप्लव की व्यापकता A-89
विद्रोह की असफलता के कारण A-89
विद्रोह के परिणाम A-90
1857 के विद्रोह के प्रमुख केन्द्र व प्रमुख नेता A-90
1857 के आन्दोलन का स्वरूप : विभिन्न मत A-90

ब्रिटिश कालीन आर्थिक नीति का प्रभाव
उपनिवेशकाल में कृषि पर प्रभाव A-91
धन का बर्हिगमन का सिद्धान्त A-91

कम्पनी के अधीन संवैधानिक विकास
रेगूरेटिंग एक्ट, 1773 A-92
1781 ई. का अधिनियम A-92
पिट्स ऑफ इण्डिया एक्ट, 1784 A-92
1786 ई. का अधिनियम A-92
चार्टर अधिनियम, 1793 A-92
चार्टर अधिनियम, 1813 A-92
चार्टर अधिनियम, 1833 A-92
चार्टर अधिनियम, 1853 A-93
भारत सरकार अधिनियम, 1858 A-93

बंगाल के गर्वनर एवं गवर्नर जनरल तथा भारत के गर्वनर जनरल एवं वायसराय A-93

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल A-95

भारतीय इतिहास के स्रोत : विदेशी इतिहास–वृत्तान्तकार A-99
प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्त एवं उनके प्रतिपादक A-99

प्रमुख भारतीय लेखक एवं उनकी प्रमुख रचनाएं A-99
प्राचीन कालीन A-99
सल्तनतकालीन A-100
मुगलकालीन A-101
सिख गुरु A-101

भारतीय इतिहास में अंकित युद्ध A-102

मध्यकाल में प्रचलित प्रमुख धार्मिक आन्दोलन/सम्प्रदाय A-103

मध्यकाल में भारत आने वाले प्रमुख विदेशी यात्री A-103

ब्रिटिश कालीन आयोग/समितियां A-103

प्रमुख भारतीय सम्वत् A-104

भारत के इतिहास की प्रमुख तिथियां A-104

वस्तुनिष्ठ प्रश्न A-107

Sahitya Bhawan®

यूनिट-B : भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

भारत में राष्ट्रवाद का उदय
राष्ट्रवाद के उदय के कारण B-3

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
कांग्रेस के पूर्व की राजनीतिक संस्थाएं B-4
कांग्रेस के गठन के पूर्व संगठन B-5
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना B-5
कांग्रेस की स्थापना के आधारभूत कारण से सम्बन्धित विवाद B-6
कांग्रेस के इतिहास के चरण B-6

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : प्रथम चरण (उदारवादी काल : 1885-1905)
उदार राष्ट्रवादियों की विचारधारा और कार्य पद्धति B-7
उदारवादियों का मूल्यांकन B-8

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : द्वितीय चरण (उग्र राष्ट्रवादियों का काल : 1906-1918)
उग्रवादी आन्दोलन की उत्पत्ति के कारण B-8
बंगाल विभाजन की घटनाएं B-10
कांग्रेस में फूट : उदारवादी और उग्रवादी B-10
उग्र राष्ट्रवादियों की विचारधारा और कार्य पद्धति B-10
उग्रवाद तथा अंग्रेजी शासन B-10
उग्रवादी आन्दोलन का मूल्यांकन B-11
प्रथम विश्वयुद्ध और भारतीय राष्ट्रवाद B-11
कांग्रेस–लीग समझौता या लखनऊ पैक्ट : 1916 B-11
होमरूल आन्दोलन : 1916-18 B-12

क्रान्तिकारी आन्दोलन : प्रथम चरण (1906-1914)
क्रान्तिकारी आन्दोलन के उद्देश्य B-13
क्रान्तिकारी आन्दोलन के उदय के कारण B-13
क्रान्तिकारी गतिविधियां B-13
प्रमुख क्रान्तिकारी B-14
क्रान्तिकारी गतिविधियों की पत्र–पत्रिकाएं B-15

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : तृतीय चरण (गांधीवादी युग : 1919-1947)
भारत में गांधीजी के प्रारम्भिक सत्याग्रह B-16
रॉलेट सत्याग्रह 1919 B-17
जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड : 1919 B-17
खिलाफत तथा असहयोग आन्दोलन B-17
खिलाफत आन्दोलन : 1920-1924 B-17
असहयोग आन्दोलन : 1920-1922 B-18
स्वराज दल : 1922-1926 B-19
साइमन कमीशन : 1927 B-21
नेहरू रिपोर्ट : 1928 B-21
मुस्लिम लीग अथवा जिन्ना के चौदह–सूत्र : 1929 B-21
पूर्ण स्वराज्य की मांग : 1929 B-22
सविनय अवज्ञा आन्दोलन : 1930-34 B-22
गोलमेज सम्मेलन और गांधी–इरविन समझौता B-23
सविनय अवज्ञा आन्दोलन का दूसर चरण B-24
मैक्डोनल्ड अवार्ड तथा पूना पैक्ट : 1932 B-25

क्रान्तिकारी आन्दोलन : द्वितीय चरण
क्रान्तिकारी आन्दोलन की असफलता के कारण B-27
राष्ट्रीय आन्दोलन में क्रान्तिकारी धारा का योगदान B-27

भारत सरकार अधिनियम, 1935 और प्रान्तीय सरकारें
प्रान्तीय सरकारें; 1937 B-28
द्वितीय विश्वयुद्ध तथा कांग्रेस सरकारों का त्याग–पत्र : 1939 B-28
कांग्रेस का त्रिपुरी संकट : 1939 B-28
अगस्त प्रस्ताव : 1940 B-28
व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आन्दोलन : 1940 (व्यक्तिगत सत्याग्रह) B-28
पाकिस्तान की मांग 1940 B-29
क्रिप्स मिशन 1942 B-29

भारत छोड़ो आन्दोलन : 1942
आन्दोलन के कारण B-29
आन्दोलन का विचार और वर्धा प्रस्ताव B-29
अगस्त क्रान्ति का प्रारम्भ तथा प्रसार B-30
आन्दोलन के परिणाम B-30
आन्दोलन का महत्व B-30
भारत छोड़ो आन्दोलन के समय गठित समानान्तर सरकारें B-30

सुभाष चन्द्र बोस तथा आजाद हिन्द फौज : 1942-1945
आजाद हिन्द फौज B-31
स्वतन्त्र भारत की अस्थायी सरकार B-31

स्वतन्त्रता प्राप्ति की ओर
सी.आर. फार्मूला (राजगोपालाचारी योजना) : 1944 B-31
गांधी–जिन्ना वार्ता : 1944 B-32
आजाद हिन्द फौज पर मुकदमा : 1945 B-32
वैवेल योजना और शिमला सम्मेलन : 1945 B-32
नौसेना विद्रोह : 1946 B-32
कैबिनेट मिशन योजना : 1946 B-32
मुस्लिम लीग की प्रत्यक्ष कार्यवाही : 1946 B-33
अन्तरिम सरकार का गठन : 1946 B-33
प्रधानमन्त्री एटली की घोषणा : 1947 B-33
माउन्टबेटन योजना : 1947 B-33
भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम : तथा भारत का विभाजन 1947 B-34

भारत में अलगाववादी प्रवृत्ति अथवा साम्प्रदायिकता
साम्प्रदायिकता का उद्भव एवं विकास B-34
मुस्लिम लीग की स्थापना : 1906 B-34
हिन्दू महासभा का उद्भव : 1909 B-34
मुस्लिम लीग तथा पाकिस्तान की मांग B-35
मुस्लिम लीग तथा भारत विभाजन B-35

भारत में वामपन्थी आन्दोलन
भारतीय साम्यवादी दल : 1924 B-36
कांग्रेस समाजवादी दल : 1934 B-36
प्रमुख मार्क्सवादी विचारधारा की पत्रिकाएं B-36

किसान तथा मजदूर आन्दोलन
उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध के किसान आन्दोलन B-36
बीसवीं शताब्दी के किसान आन्दोलन B-37
बीसवीं शताब्दी के प्रमुख किसान आन्दोलन/संगठन B-39
भारत में मजदूर आन्दोलन B-39

ब्रिटिश शासन के अधीन भारत का संवैधानिक विकास : 1858-1947
1858 ई. का भारत सरकार अधिनियम B-40

Sahitya Bhawan®

■■■■■■■ ■■■■■■ 2020

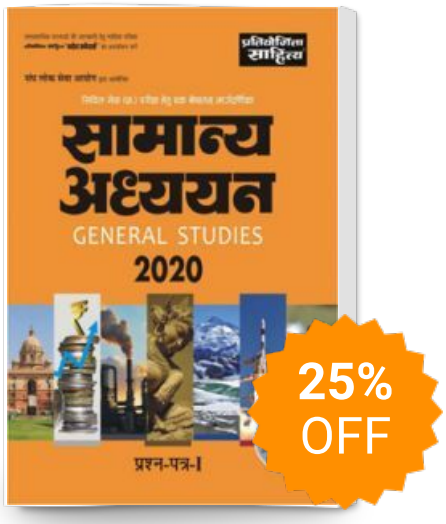

Publisher : Sahitya Bhawan ISBN : 9789353397531 Author : S. P. Arya

Type the URL :https://www.kopykitab.com/product/52939

Get this eBook